MT

Seat No. | | | | | | | |

2018 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - II - PAPER - IV

Time : 3 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 100**

विभाग 1 - गद्य

उ.1. (क) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(8)**

(1) (i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **2**

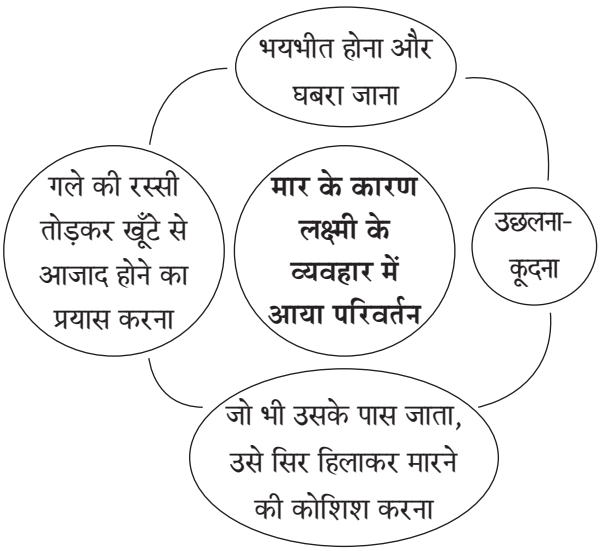

(2) (i) **उपर्युक्त गद्यांश से ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों ।** **1**

(1) रमजानी ने गाय की चोट पर लगाने के लिए क्या दिया ?

(2) लक्ष्मी को किसने डंडे से मारा था ?

(ii) **सत्य या असत्य पहचानकर लिखिए।** **1**

(1) असत्य (2) सत्य

(3) (i) **लिंग बदलिए।** **1**

(1) गाय - बैल (2) बीवी - मियाँ

(ii) वचन बदलिए। **1**

(1) डंडा - डंडे (2) चारपाई - चारपाइयाँ

(4) जिस प्रकार धरती पर मनुष्य को जीने का अधिकार है, उसी प्रकार अन्य प्राणियों को भी जीवन जीने का अधिकार है। प्राणियों के प्रति दयाभाव रखकर मनुष्य मानवता का कार्य कर सकता है। प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह प्राणियों की रक्षा करे व उनके लिए खाने की सामग्री उपलब्ध कराए। गाय, बैल, कुत्ता, बिल्ली, गधा, तरह-तरह के पक्षी आदि सभी प्राणी ही हैं। यदि ये नहीं रहेंगे, तो पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाएगा। इसलिए इनका संरक्षण करने में ही सबकी भलाई है। **2**

उ.1. (ख) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (8)

(1) (i) कारण लिखिए । 1

(1) क्योंकि हमदर्दी जताने वाले अधिक संख्या में आते हैं और परेशान करते हैं।

(2) क्योंकि मिलने आने वाले लोग बहुत देर तक बैठकर उसे परेशान करेंगे।

(ii) निम्नलिखित वाक्य पूर्ण कीजिए । 1

(1) लेखक उन्हें मिलने गया था **जिनकी टाँग या शरीर का कोई अन्य अंग टूटा हुआ था।**

(2) मरीज़ का आराम हराम तब हो जाता है **जब मिलने वाले अधिक संख्या में आकर उसे परेशान करने लगते हैं।**

(2) (i) अंतर स्पष्ट कीजिए । 2

प्राइवेट अस्पताल	**सार्वजनिक अस्पताल**
(१) प्राइवेट अस्पताल में मरीज़ों की सेवा और देखभाल बेहतर होती है।	(१) सार्वजनिक अस्पताल में भीड़ अधिक होती है जिससे मरीज़ों की सेवा और देखभाल ठीक तरह से नहीं हो पाती।
प्राइवेट वार्ड	**जनरल वार्ड**
(१) अनिश्चित समय पर आकर जितनी देर चाहें उतनी देर तक मरीज़ से मिला जा सकता है।	(१) मरीज़ से निश्चित समय पर आकर ही मिला जा सकता है।

(3) (i) नीचे लिखे शब्दों में उचित प्रत्यय लगाइए। 1

(1) समय - सामयिक (2) खास - खासियत

(ii) लिंग बदलिए। 1

(1) बेटा - बेटी (2) मित्र - सहेली

(4) वक्त एक समान नहीं रहता। वह बदलता रहता है। आज की तारीख में यदि कोई सुकून की जिंदगी जी रहा है, तो इसका यह मतलब नहीं कि वह मरते दम तक सुकून से जी सकता है। दुख व सुख तो आते ही रहते हैं। आज हम पर बीती तो कल दूसरों पर भी बीत सकती है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं। समय बदलता रहता है। परिस्थितियाँ भी वक्त के साथ बदलती रहती हैं। व्यक्ति के जीवन में उत्थान-पतन आते रहते हैं। इसलिए जब कोई दुखी है या दर्द से कराह रहा है, तो उसका मजाक नहीं **2**

उड़ाना चाहिए; बल्कि उसकी मदद करनी चाहिए क्योंकि आज वह दुखी है। हो न हो, कल हम पर वही दौर आ बीतेगा और हम दुखी हो जाएँगे। आखिर दुख की घड़ी में साथ देना ही मानवता है।

उ.1. (ग) अपठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

(1) (i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

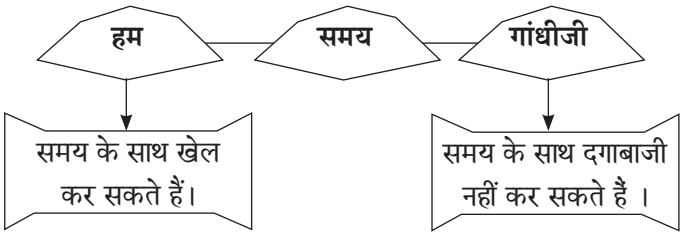

(ii) **परिच्छेद में प्रयुक्त उंगलियों के नाम -** **1**

(1) तर्जनी (2) अँगूठा

(2) (i) **सत्य या असत्य पहचानकर लिखिए।** **1**

(1) सत्य (2) असत्य

(ii) उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो। **1**

(1) **दगाबाजी** - बापू समय के साथ क्या नहीं कर सकते थे ?

(2) **बापू** - समय पर स्नान किसने किया ?

(3) (i) **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी परिच्छेद में से ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(1) संध्या - शाम (2) सीख - सबक

(ii) **विलोम शब्द लिखिए।** **1**

(1) निश्चित × अनिश्चित (2) देरी × जल्दी

(4) जब कोई कार्य निर्धारित समय किया जाए तो ही उसे समय का सदुपयोग कहा जा सकता है। प्रत्येक कार्य का समय निश्चित कर लेने से हमारे सभी कार्य ठीक से और समय पर पूरे हो जाते हैं। इससे किसी कार्य के छूटने या समय पर न होने का नुकसान नहीं होता। समय की नियमितता सफलता की कुंजी है। उचित समय पर कार्य न करने से पूरा कार्यक्रम अस्त-व्यस्त हो जाता है। अत: हम नियमित होकर अपने जीवन में बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। **2**

विभाग 2 - पद्य

उ.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

(1) गजल की पंक्तियों का तात्पर्य : **2**

(i) व्यक्ति को अपने अच्छे कर्म के बल पर अपनी पहचान स्वयं बनानी चाहिए।

(ii) हृदय में जो आदमियत सोई हुई है, उसे जगाकर सभी के कल्याण के लिए व्यक्ति को आगे आना चाहिए।

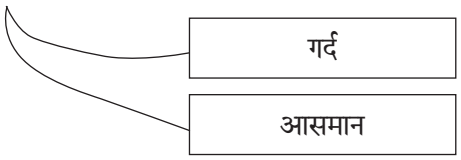

(2)	(i) **उपर्युक्त पद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।** (1) गर्द कहाँ पर फैल जाती है ? (2) शिखर के लिए गद्यांश में प्रयुक्त विशेषण लिखिए।	**1**
	(ii) **गजल में प्रयुक्त प्राकृतिक घटक** 	**1**
(3)	**निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** गजलकार कहते हैं, ''गर्द अथवा धूल हवा के झोंके के साथ आगे ही आगे चल पड़ती है। यहाँ तक कि वह ऊँचे आसमान में भी फैल जाती है। देखा जाए तो गर्द सामान्य होती है, फिर भी वह आसमान पर अपने अधिकार का निर्माण करती है। इंसान तो उससे महान होता है। अगर वह चाहे तो मील का पत्थर बनकर सभी के लिए पथ-प्रदर्शक का कार्य कर सकता है। वह अपने अच्छे कार्यों से समाज के सामने एक मिसाल प्रस्थापित कर सकता है।''	**2**
उ.**2.**	**(छ) निम्न मुद्दों के आधार पर निम्न कविता का पद्य विश्लेषण कीजिए:**	**(6)**
(i)	**भारत महिमा**	
	(1) **रचनाकार का नाम:** जयशंकर प्रसाद	**1**
	(2) **रचना का प्रकार** : छायावादी आधुनिक काव्य	**1**
	(3) **पसंदीदा पंक्ति :** हिमालय के आँगन में उसे, किरणों का दे उपहार; उषा ने अभिनंदन किया, और पहनाया हीरक हार।	**1**
	(4) **पसंदीदा होने का कारण:** सूर्योदय होने से कुछ पल पहले उषा रूपी किरणों का हिमालय के आँगन में आगमन हुआ। भारत देश में उदित होने वाली उषा अपने साथ सुनहरी किरणों को लेकर आई। मानो वह भारत का अभिनंदन कर उसे हीरों का हार पहना रही हो। इसमें कवि ने मानवीकरण अलंकार के माध्यम से भारत की प्राकृतिक सुषमा का जो मनोहारी वर्णन किया है, वह अद्‌भुत व अतुलनीय है। अत: यह पंक्तियाँ मुझे अत्यंत प्रिय हैं।	**2**
	(5) **कविता से प्राप्त संदेश या प्रेरणा:** इस कविता से हमें यह संदेश प्राप्त होता है कि हमें अपने अतीत के गौरवशाली इतिहास को कभी नहीं भूलना चाहिए। हमें अपने देश पर गर्व होना चाहिए और इस पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।	**1**
	अथवा	

(ii)	**गिरिधर नागर**	
	(1) **रचनाकार का नाम**: मीराबाई	**1**
	(2) **रचना का प्रकार** : पद	**1**
	(3) **पसंदीदा पंक्ति** : हरि बिन कूण गती मेरी।। तुम मेरे प्रतिपाल कहिये मैं रावरी चेरी।। आदि-अंत निज नाँव तेरो हीमायें फेरी। बेर-बेर पुकार कहूँ प्रभु आरति है तेरी।।	**1**
	(4) **पसंदीदा होने का कारण**: उपर्युक्त पंक्ति में कवयित्री मीराबाई ने कृष्ण के प्रति समर्पण की भावना को दर्शाया है उन्होंने कहा है कि कृष्ण हमारे पालनकर्ता और मै उनकी दासी हूँ। मैं जीवन के अंतकाल तक आपका नाम जपती रहूँगी। इसलिए यह पंक्ति मुझे बेहद पसंद है।	**2**
	(5) **कविता से प्राप्त संदेश या प्रेरणा**: इस पंक्ति से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि ईश्वर ही हम सब के पालनहार है। उनके बिना हमारा कोई अस्तित्व नहीं है। हम सुख के समय ईश्वर को भूल जाते हैं और जब हमारे ऊपर दु:ख आता है तब हम ईश्वर को पुकारने लगते हैं। जबकि हमें हर परिस्थिति में ईश्वर को याद करते रहना चाहिए।	**1**
उ.2.	**(ज) अपठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	**(6)**
(1)	**कृति पूर्ण कीजिए।**	**1**
	शत्रु को जवाब देने का तात्पर्य → शत्रु से युद्ध करना	
(2)	**समझकर लिखिए।**	**1**
	(ii) देश माँगता कि खून से रंगा गुलाब दो। (ii) देश की बागडोर सँभालना।	
(3)	**(i) मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द लिखिए।**	**1**
	(1) संभालकर - सँभालकर (2) मसाल - मशाल	
	(ii) विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।	**1**
	(1) शत्रु × मित्र (2) युद्ध × शांति	
(4)	**निम्नलिखित अपठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** कवि बहादुर बच्चों से कह रहे हैं कि हमारा देश शत्रुओं से घिरा हुआ है, जिससे देश की शांति, समृद्धि नष्ट होती जा रही है। इसलिए अब देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी देश के शूरवीर नौजवानों पर ही है। ऐसी परिस्थिति में अब धरती माँ तुमसे कुरबानी माँग रही है, तुम्हें इस कसौटी पर खरा उतरना है। यदि युद्ध के हालात निर्माण होते हैं तो तुम्हें सदैव तत्पर रहकर शत्रु के दुस्साहस का	**2**

मुँहतोड़ जवाब देना होगा। युद्ध में हँसते - हँसते खून की होली खेलकर शत्रुओं पर विजय पानी होगी क्योंकि रणभूमि में वीर सिपाहियों का एक ही मकसद होना चाहिए - विजय या वीरगति।

विभाग 3 - पूरक पठन

उ.3. (अ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(4)**

(1) (i) उत्तर लिखिए। **1**

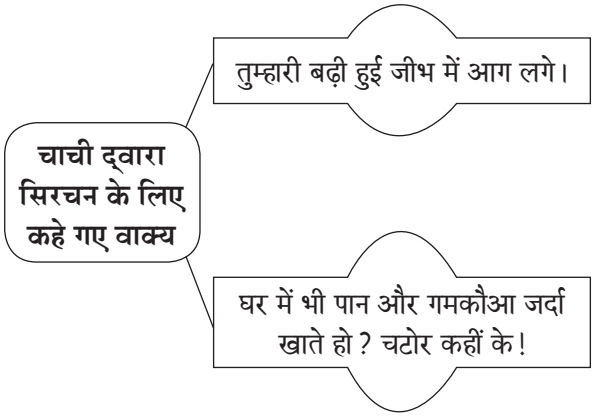

(ii) निम्नलिखित विधान सत्य है या असत्य पहचानकर लिखिए। **1**

(1) सत्य (2) असत्य

(2) कला ईश्वर का दूसरा रूप होती है। हर व्यक्ति के पास अद्‌वितीय कला नहीं होती है। जिसके पास अद्‌भुत व कलात्मक कला होती है, वह कलाकार कहलाता है। फिर वह साहित्यकार हो सकता है, चित्रकार हो सकता है या फिर संगीतकार हो सकता है। वह अपनी कला के द्‌वारा समाज पर अपनी अद्‌भुत छाप छोड़ता है। उसकी कला से लोग संतुष्ट हो जाते हैं। उसकी कला लोगों के हृदय में आनंद व रस का निर्माण करती है। यदि हम कलाकार का निरादर करेंगे, उसका अपमान करेंगे; तो हम उसकी कला से वंचित हो जाएँगे। साथ ही, उसके नाराज हो जाने से वह भविष्य में अच्छी कला का प्रदर्शन नहीं कर सकेगा। आज भी हम मोहम्मद रफी, कवि रवींद्रनाथ टैगोर, चित्रकार एम. एफ. हुसैन आदि महान कलाकारों को याद करते हैं क्योंकि आज भी उनके द्‌वारा निर्मित कला व कलाकृति समाज में जीवित है। इसलिए यह हमारा कर्तव्य है कि हम कला और कलाकार का सम्मान करें। आखिर उनके कारण ही हमारी सांस्कृतिक विरासत व धरोहर सुरक्षित है। **2**

उ.3. (आ) पद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाइए। **2**

(i - ख), (ii - घ), (iii - क), (iv - ग)

(2) ईश्वर की महिमा अपार होती है। उससे बढ़कर दुनिया में कुछ नहीं होता। मनुष्य के जीवन की सारी हलचल ईश्वर की प्रेरणा से ही होती है। ईश्वर पर भरोसा रखने पर हमारी सारी मनोकामनाएँ पूरी हो जाती हैं। दिन-रात ईश्वर का नाम जपना ईश्वर की कृपा प्राप्त करने का सुलभ मार्ग है। इस दुनिया में जो कुछ है, वह सब ईश्वर का ही दिया हुआ है। व्यक्ति संकटकाल में या अपनी तकलीफों में ईश्वर को पुकारता **2**

है, तब ईश्वर किसी-न–किसी रूप में आकर उसकी सहायता अवश्य करते हैं। ईश्वर द्वारा निर्मित प्रकृति इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। इस धरती पर कुदरत के रूप में जो कुछ है, वह सब ईश्वर ही की रचना है। अत: ईश्वर से बढ़कर कोई शक्ति नहीं है।

विभाग 4 - व्याकरण

उ.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(1) (i) **निम्नलिखित वाक्य में आए हुए संज्ञा शब्दों को रेखांकित करके उनके भेद लिखिए।** **1**

सैनिकों : जातिवाचक संज्ञा टुकड़ी : समूहवाचक संज्ञा

(ii) **निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों में उचित सर्वनाम का प्रयोग कीजिए।** **1**

<u>आप</u> सार्वजनिक अस्पताल के प्राइवेट वार्ड में हैं।

(2) (i) **निम्नलिखित वाक्य में से अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए।** **1**

अरे ! : विस्मयादिबोधक अव्यय

(ii) **निम्नलिखित अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** **1**

वाक्य - परिवार की खुशियों के <u>अलावा</u> मुझे कुछ नहीं चाहिए।

(3) काल परिवर्तन कीजिए।

(i) उन्होंने बाजार से नई पुस्तक खरीदी थी। **1**

(ii) वे पुस्तक शांति से पढ़ रहे थे। **1**

(4) तालिका पूर्ण लिखिए । **2**

संधि	संधि-विच्छेद	भेद
अंतर्चेतना	अंत: + चेतना	विसर्ग संधि
दिग्दर्शक	दिक् + दर्शक	व्यंजन संधि

(5) (i) **रचना के आधार पर निम्न वाक्य के भेद पहचानिए।** **1**

उसे देख-देख बड़ा जी करता कि मौका मिलते ही उसे चलाऊँ। (मिश्र वाक्य)

(ii) **सूचना के अनुसार निम्न वाक्य का प्रकार बदलिए** **1**

मैं आज रात भूखा रहूँगा।

(6) (i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए।** **1**

कलेजे में हूक उठना : मन में पीड़ा होना

वाक्य: अपने मृत बेटे की याद आते ही बुढ़िया के <u>**कलेजे में हूक उठने लगती है**</u>।

(ii) **निम्न वाक्यों में अधोरेखांकित शब्द समूह के लिए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए।** **1**

क्या आपने मेरी <u>**इज्जत उतारने**</u> के लिए यहाँ बुलाया था ?

(7) **निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए।**

(i) घर में तख्त के रखे जाने की आवाज आती है। **1**

(ii) लड़के की तरफ मुखातिब होकर रामस्वरूप ने कुछ कहना चाहा। **1**

(8) **निम्न वाक्यों में से मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए।** **1**

मुख्य क्रिया - हड़बड़ाना सहायक क्रिया - उठे (उठना)

(9) **निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए।** **1**

अ.क्र	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
(i)	बैठना	बिठाना	बिठवाना
(ii)	लिखना	लिखाना	लिखवाना

(10) **निम्नलिखित वाक्यों में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कर वाक्य पुन: लिखिए।** **1**

''ओह! कंबख्त ने कितनी बेदर्दी से पीटा है।''

(11) **निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित कारक चिह्नों से कीजिए और कारक का नाम लिखिए।** **1**

मानू रेल **से** ससुराल चली गई।

से - करण कारक

विभाग 5 - रचना विभाग

उ.5. (अ) **5**

(i) दिनांक - ५ मार्च, २०१८

सेवा में,

श्रीमान व्यवस्थापक जी,

शीतल बुक डिपो, मंगलवार पेठ,

पूना - ४११०३०

विषय : पुस्तकों की कम प्रतियों की प्राप्ति तथा फटी पुस्तकों के लिए शिकायत पत्र।

माननीय महाशय,

मैं आपका नियमित ग्राहक हूँ। इस पत्र के द्वारा मैं आपका ध्यान मँगवाई गई पुस्तकों की कम प्रतियों तथा तीन फटी पुस्तकों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।

मैंने दस दिन पहले ही आपके यहाँ से पुस्तकें मँगवाई थीं। बड़े दुख के साथ लिखना पड़ रहा है कि पुस्तकें संख्या में अपूर्ण हैं और कुछ प्रतियाँ फटी हुई हैं। हिंदी व्याकरण और अंग्रेजी की दस प्रतियाँ मँगवाई थीं लेकिन आठ ही प्राप्त हुई हैं। इसके अलावा 'भारत की खोज', 'वीर सावरकर की जीवनी' तथा 'गोदान' पुस्तकों की प्रतियाँ फटी हुई हैं। ये तीनों पुस्तकें पोस्ट पार्सल के माध्यम से वापस भेज रहा हूँ। कैश मेमो क्रमांक २२२/ए दिनांक २५ फरवरी, २०१८ है। बिल की झेरॉक्स कॉपी पत्र के साथ भेज रहा हूँ। आशा करता हूँ कि पत्र मिलते ही उपर्युक्त विषय पर आप ध्यान देंगे और नई पुस्तकें भिजवाने की व्यवस्था करेंगे।

	कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ। धन्यवाद! भवदीय, संतोष तिवारी। नाम : संतोष तिवारी पता : लक्ष्मीनगर, अमरावती। ई-मेल आईडी : santosh@gmail.com	
	अथवा	
(ii)	दिनांक - मार्च २५, २०१८ प्रिय पंकज स्नेह! आशा है स्वस्थ होगे। मैं भी यहाँ कुशल हूँ। मित्र! इस बार मेरा जन्म-दिन धूमधाम से मनाने की तैयारियाँ है। अत: तुम २० मार्च की तिथि मेरे लिए सुरक्षित कर लो। तुम १९ मार्च की रात तक पहुँच जाओ, ताकि सभी कार्यक्रमों में शामिल हो सको। कार्यक्रम इस प्रकार है - प्रात: ७ बजे हवन-यज्ञ होगा। हवन के बाद धार्मिक प्रवचन होंगे। इसके बाद मित्र-मंडली रंगारंग कार्यक्रम पेश करेगी। इसके बाद सहभोज होगा। माताजी व पिताजी को चरण-स्पर्श। १९ मार्च को आना न भूलना। तुम्हारा, राकेश नाम : राकेश कुमार पता : ६३७-ए, सेक्टर-१२, इस्पात नगर, बोकारो। ई-मेल आईडी : rakesh123@gmail.com	**5**
(2)	(i) विधाता ने हमें एक मुँह क्यों दिया है? (ii) मनुष्य कौन-सी इंद्रियों से सामर्थ्यशाली बना है? (iii) विधाता ने हमें क्या-क्या दिया है? (iv) ईश्वर की मानव के लिए सबसे बड़ी देन क्या है? (v) हमें दो कान किसलिए दिए गए हैं?	**5**
उ.6.		
(1)	**वृत्तांत लेखन ।** दिनांक २५ जनवरी, २०१८ : मुंबई : इस दिन नूतन विद्यालय, मुंबई में राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में रिलायंस फाउंडेशन की चेअरमैन श्रीमती नीता अंबानी जी उपस्थित थीं। सुबह ठीक ९ : ०० बजे कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।	**5**

विद्यालय की विद्यार्थी प्रमुखा कुमारी अंजलि ने पुष्पगुच्छ देकर मुख्य अतिथि महोदया जी का स्वागत किया। स्कूल प्राचार्या श्रीमती लता जी ने बालिका दिवस के अवसर पर सभी छात्राओं को बधाइयाँ दी। अतिथि महोदया जी ने भी अपने वक्तव्य में बालिका दिवस का महत्त्व बताया। उन्होंने 'आज की बालिका जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति कर रही है' इस तथ्य से सभी को अवगत कराया। विद्यालय की छात्राओं ने नृत्य व नाटिका का रँगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर इस दिन की शोभा में चार-चाँद लगा दिए। कक्षा दसवीं की एक छात्रा ने अपने प्रभावपूर्ण भाषण में सभी बालिकाओं को भविष्य के लिए हार्दिक बधाई देते हुए सभी का धन्यवाद किया। इस प्रकार सुबह ११ बजे कार्यक्रम का समापन हुआ

(2) **निम्न मुद्दों के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए।** **5**

शिक्षक चाहिए! **शिक्षक चाहिए!**

योग्यता - प्रशिक्षित स्नातक, बी.एड./डी.टी.एड.

विषय - हिंदी, अंग्रेजी

पद - शिक्षण सेवक पद

आवेदन पत्र दिनांक १५ मई, २०१८ तक सुबह ९ बजे से शाम ४ बजे तक।

चयनित अभ्यर्थी को ही साक्षात्कार के लिए बुलाया चाएगा।

सेवा में, प्रधानाचार्य, अनंत इंग्लिश स्कूल, माध्यमिक विद्यालय, गाला नगर, गांधी रोड, नालासोपारा (पूर्व), ठाणे।

(3) **जैसे को तैसा** **5**

एक घने जंगल में कई प्रकार के पशु-पक्षी आराम से रहते थे। वहीं तालाब के पास एक सारस भी रहता था। उसकी टाँगे और चोंच पतली और बड़ी लंबी थीं। वह मछलियों को अपनी चोंच में पकड़ता और खाता था।

एक दिन एक धूर्त लोमड़ी के यहाँ से सारस को भोजन का निमंत्रण मिला। सारस बड़ा ही प्रसन्न हुआ।

लोमड़ी के घर भोजन में स्वादिष्ट खीर बनाई गई थी और उसे थाली में परोसा गया था। सारस की चोंच लंबी थी, उसे खीर खाने में बड़ी मुश्किल हुई और वह कुछ न खा सका।

यह सब देखकर सारस कुछ न बोला और मन ही मन इसका बदला लेने की बात सोचता हुआ घर लौटा। कई दिनों के बाद एक दिन उसे मौका मिल ही गया।

सारस ने लोमड़ी को भोजन का निमंत्रण दिया। वह बहुत खुश हो गई और सारस के यहाँ पहुँच गई। सारस ने स्वादिष्ट खीर बनाई और सुराही में खाने के लिए परोसी। सुराही की गर्दन का आकार पतला था उसमें उसका मुँह नहीं जा सकता था। अत: लोमड़ी कुछ न खा सकी और उसे भूखा रहना पड़ा और वह बहुत शर्मिंदा हुई।

सीख: इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि किसी के साथ बुरा करके उससे अपने लिए भले ही उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

(4)(i) विज्ञान के चमत्कार **7**

विज्ञान वह व्यवस्थित ज्ञान है; जो विचार, अवलोकन, अध्ययन और प्रयोग से मिलता है। विज्ञान यानी किसी भी विषय का क्रमबद्ध ज्ञान। आज का हमारा युग विज्ञान का युग है। आज चारों ओर विज्ञान का बोलबाला है। छोटी सुई से लेकर हवाई जहाज तक सारी चीजें विज्ञान की ही देन हैं। विज्ञान के कारण मनुष्य का जीवन सुखकर एवं खुशहाल हो गया है।

विज्ञान के चमत्कारों की यदि बात करें तो चारों और व्याप्त सारी चीजें विज्ञान की ही देन हैं। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में जैसे कि विद्या, उद्योग, अनुसंधान, तकनीकी, संदेश वहन, यातायात, कंप्यूटर, चिकित्सा आदि में विज्ञान ही विज्ञान दिखाई देता है। आखिर, सच ही कहा गया है 'जय विज्ञान।'

विद्युत विज्ञान का ही अद्भुत वरदान है। इसने इंसान के जीवन से अंधकार मिटा दिया है। अंतरिक्ष विज्ञान में हुई प्रगति के कारण मनुष्य चाँद पर जा पहुंचा है। अब वह मंगल पर जाने की तैयारी कर रहा है। चिकित्सा के क्षेत्र में विज्ञान ने सफलता हासिल कर ली है। अब असाध्य से असाध्य रोगों का भी निदान आसान हो गया है। हृदय प्रत्यारोपण एवं नेत्र प्रत्यारोपण आसानी से होने लगे हैं। कैंसर जैसी भयानक बीमारी का इलाज आसान हो गया है। आज विज्ञान ने अंधे को आँखें दी हैं, बहरे को कान दिए हैं, गूँगे को वाणी दी है, दिव्यांग को शारीरिक अवयव दिए हैं। विज्ञान के कारण नाभिकीय ऊर्जा का उत्पादन बढ़ने लगा है। इस ऊर्जा का सकारात्मक कामों के लिए उपयोग हो रहा है। विज्ञान के कारण यातायात के साधन सुलभ हो गए हैं। आज हम कुछ घंटों में अमरीका जा सकते हैं। संदेश वहन के साधनों में भी प्रगति हो गई है। मोबाइल, फेसबुक, गूगल आदि ने संपूर्ण दुनिया को एक-दूसरे के करीब लाकर रख दिया है। आज हमारा देश विज्ञान के कारण कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो गया है। विज्ञान का और एक बड़ा चमत्कार है 'मुद्रण यंत्रों का आविष्कार।' मुद्रण यंत्रों के आविष्कार ने पुस्तकों का निर्माण किया है। इस कारण ज्ञान का चारों ओर प्रचार व प्रसार हुआ है। हमारे दैनंदिन जीवन में भोजन पकाने से लेकर अन्य सारी सुख-सुविधाओं का निर्माण विज्ञान के कारण ही सुलभ हुआ है। इसलिए आज विज्ञान कामधेनु गाय की तरह मनुष्य की सारी इच्छाएँ पूर्ण कर रहा है। सच ही कहा गया है -

आज की दुनिया विचित्र नवीन
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन।
हैं बँधे नर के करों में वारि-विद्युत-भाप
हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप।
है नहीं बाकी कहीं व्यवधान
लाँघ सकता नर सरित-गिरि-सिंधु एक समान।

(ii) जल है तो कल है। **7**

जल ही जीवन है। जल मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग है। अन्न के बिना व्यक्ति १५ से ३० दिनों तक जीवित रह सकता है लेकिन जल के बिना व्यक्ति ३ से ४ दिन से ज्यादा जीवित नहीं रह सकता। जल के बिना धरती पर मानवीय जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।

प्रकृति एवं प्राणियों को भी जीवन जीने के लिए जल की आवश्यकता होती है। खेती, उद्योग आदि के लिए भी जल की आवश्यकता होती है। घर बनाने से लेकर मोटर गाड़ी चलाने तक सभी चीजों में जल की आवश्यक होती है। वर्तमान युग में जनसंख्या वृद्धि बहुत तेज गति से हो रही है। धरती पर प्रदूषण बढ़ रहा है। जल के प्राकृतिक स्त्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। पानी की मात्रा में कमी हो रही है। यदि ऐसा ही चलता

रहा तो एक दिन लोगों को पीने के लिए पानी भी नहीं मिलेगा। इससे लोगों का जीवन संकट में पड़ जाएगा। देश के कई भागों में ठीक से वर्षा नहीं हो रही है। इस कारण अकाल की स्थिति निर्माण होती है। ऐसे में खेती के लिए जरूरी पानी नहीं मिल पाता और इससे फसल की उपज काफी कम होती है। इस कारण अनाज के दामों में वृद्धि हो रही है।

जल है तो कल है। जल के कारण लोग घर का सारा काम कर सकते हैं। खाना बना सकते हैं और कपड़े धो सकते हैं। स्नान कर सकते हैं और पेड़-पौधों को पानी दे सकते हैं। अगर जल को यूँ ही बर्बाद किया गया तो वह दिन दूर नहीं है जब पीने के पानी के लिए लोग आपस में लड़ेंगे। यदि पानी की कमी हुई तो वह काफी महँगे दामों में बिकेगा।

ध्यान रहे कि जल व्यक्ति-जीवन के प्रत्येक पल में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए उसकी बचत करना बहुत ही आवश्यक है।

❖❖❖